

पीएम मोदी ने मुंबई में किया वेक्स का आगाज; 90 देश और 10 हजार प्रतिनिधि कर रहे शिरकत

वेक्स 2025 चार दिवसीय कार्यक्रम मीडिया और मनोरंजन जगत को साथ लाएगा। वेक्स 2025 की टैगलाइन है ‘कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग कंट्रीज’। इसमें 90 से अधिक देशों की भागीदारी होगी, जिसमें 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, 1,000 क्रिएटर्स, 300 से अधिक कंपनियां और 350 से अधिक स्टार्टअप शामिल हो रहे

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश आज उत्तम प्रदेश है..., जगदीप धनखड़ बोले- सीएम योगी इसके सारथी हैं

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक के लेखकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अभी मुझे भी राज्यपाल ने कहा कि आपको भी मुफ्त में किताब नहीं मिलेगी। मुझे कोई चीज मुफ्त में लेना नहीं पसंद है। मैंने बहुत पहले चुनौती से सात फेरे ले लिए। मुझे चुनौती के साथ रहने की आदत है। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक चुनौतियां मुझे पसंद हैं के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम जानकीपुरम स्थित एकेटीयू में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र समेत कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। स्वामी चिदानंद सरस्वती भी साथ में रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बक्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी रहीं। कार्यक्रम में पहुंचकर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आनंदी बेन पटेल नाम ही काफी है। जिस प्रदेश में वह शिक्षक रहीं, मंत्री रहीं और मुख्यमंत्री रहीं।



हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुंबई में ‘विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन’ (वेक्स) का उद्घाटन किया। उन्होंने यहां जुटे एक हजार से अधिक क्रिएटर्स का उत्साह बढ़ाया। वेक्स 2025 चार दिवसीय कार्यक्रम में मीडिया और मनोरंजन जगत को साथ लाया जा रहा है। वेक्स 2025 की टैगलाइन है ‘कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग कंट्रीज’। इसमें 90 से अधिक देशों की भागीदारी होगी, जिसमें 10,000 से अधिक प्रतिनिधि, 1,000 क्रिएटर्स, 300 से अधिक कंपनियां और 350 से अधिक स्टार्टअप शामिल हो रहे हैं। दुनियाभर के युवा रचनाकारों से बात प्रधानमंत्री ने ‘क्रिएटोस्फियर’ सत्र में दुनियाभर के युवा रचनाकारों से भी बातचीत की, जिन्होंने 31 अलग-अलग ‘क्रिएट इन इंडिया’ चुनौतियों में भाग लिया है। मोदी ने विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए। क्रिएटोस्फीयर में वीआर, एनीमेशन, फिल्म, गेम, वीएफएक्स, कॉमिक्स, संगीत, इमर्सिव प्रदर्शन और मास्टरक्लास से संबंधित क्यूरेटेड जोन होंगे। दुनियाभर के युवा रचनाकारों से बात- प्रधानमंत्री ने ‘क्रिएटोस्फियर’ सत्र में दुनियाभर के युवा रचनाकारों से भी बातचीत की, जिन्होंने 31 अलग-अलग ‘क्रिएट इन इंडिया’ चुनौतियों में भाग लिया है। मोदी ने विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए। क्रिएटोस्फीयर में वीआर, एनीमेशन, फिल्म, गेम,

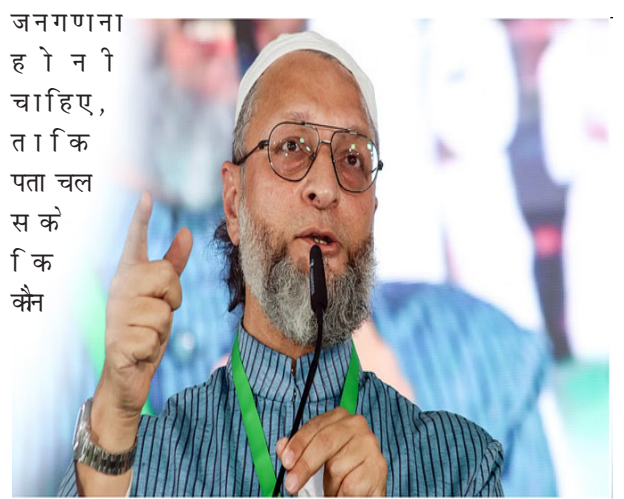
वीएफएक्स, कॉमिक्स, संगीत, इमर्सिव प्रदर्शन और मास्टरक्लास से संबंधित क्यूरेटेड जोन होंगे। शुरुआत लीजेंड्स एंड लेगेसीज से द स्टोरीज दैट शेपड इंडियाज सोल’ शीर्षक से एक हाई-प्रोफाइल पैनल चर्चा से हुई, जिसमें हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती, रजनीकांत, मोहनलाल और चिरंजीवी शामिल हुए। इस सत्र का संचालन अभिनेता अक्षय कुमार ने किया। आयोजन का एक और खास आकर्षण-द न्यू मेनस्ट्रीम ब्रेकिंग बॉर्डर्स, बिल्डिंग लीजेंड्स’ रहा, जिसमें फिल्म

निर्माता एसएस राजामौली, अभिनेता अनिल कपूर, आलिया भट्ट और विकी कौशल व संगीतकार एआर रहमान के साथ एक पैनल चर्चा हुई। इसका संचालन निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने किया। दिग्गजों की प्रस्तुतियां बांधेंगी समा- उद्घाटन दिवस की सांस्कृतिक संध्या में विश्व मोहन भट्ट, येल्ला वेंकटेश्वर राव और रोनु मजूमदार जैसे दिग्गजों के नेतृत्व में शास्त्रीय कलाकार प्रस्तुति देंगे। साथ ही टेस्टेओ सिस्टर्स, झाला, श्रेया घोषाल, किंग एक्स एलन वॉकर की प्रस्तुतियां और अनुपम खेर का सिनेमाई अभिनय भी होगा। शाहरुख खान, दीपिका के साथ रूबरू होने का मिलेगा मौका बॉलीवुड दिग्गज शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और करण जौहर के बीच बहुप्रतीक्षित चर्चा भी रखी गई है। इस चर्चा का शीर्षक है ‘द जर्नी- फॉर्म आउटसाइड टू रूलर’। इसके माध्यम से दोनों कलाकारों के प्रेरणादायक करिअर का उद्घेख होगा। शुक्रवार को ग्लोबल मीडिया डायलॉग में 30 देशों

के मंत्री लेंगे भाग शुक्रवार होने वाले ग्लोबल मीडिया डायलॉग में करीब 30 देशों के मंत्री भाग लेंगे। इसकी अध्यक्षता विदेश मंत्री एस जयशंकर और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे। ग्लोबल मीडिया डायलॉग में वेक्स घोषणापत्र भी जारी होने की उम्मीद है, जो मीडिया और मनोरंजन में सतत विकास, समावेशिता और वैश्विक सहयोग के लिए एक रूपरेखा तैयार करेगा। इस दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्री यूनाइटेड किंगडम, रूस, मिश्र, भूटान, बहरीन, इस्वातिनी और इंडोनेशिया सहित देशों के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं। ग्लोबल मीडिया डायलॉग के मुख्य चर्चा बिंदुओं में मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में खुले और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देना, सामग्री निर्माण और दर्शकों की भागीदारी में एआई के नैतिक उपयोग की खोज करना, गलत सूचना को रोकने के लिए प्रतिबद्धता, मीडिया की अखंडता को बनाए रखना और

इस बार घर में घुस कर बैठ जाना, आतंकवाद का खात्मा होना चाहिए, पाकिस्तान पर जमकर बरसे ओवैसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। इसके बाद से पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ रोष है। असदुद्दीन ओवैसी लगातार पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपील सरकार से कर रहे हैं। डूस्लुरू प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर पाकिस्तान पर करारा हमला किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कहती है %घर में घुस के मारेंगे%। अगर आप (केंद्र सरकार) इस बार पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने जा रहे हैं, तो %घर में घुस कर बैठ जाना%। जैसा कि पत्रकार कह रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना चौकी छोड़कर या खाली कर के भाग गई है तो हमें वहां बैठ जाना चाहिए। भारतीय संसद का संकल्प है कि पीओके हमारा है। सभी विपक्षी दल सरकार से कह रहे हैं कि आतंकवाद का खात्मा होना चाहिए। जातिगत जनगणना पर कही यह बात ओवैसी ने कहा, %जाति



सी जाति विकसित है और कौन सी जाति पिछड़ी है। देश में सकारात्मक कार्रवाई और न्याय के लिए यह बहुत जरूरी है, क्योंकि आपने ओबीसी का आरक्षण सिर्फ 27ब पर रोक दिया है, यह काफी नहीं है। हम भाजपा से जानना चाहेंगे कि आप इसे कब शुरू करेंगे और कब तक पूरा करेंगे। क्या इसकी रिपोर्ट 2029 के संसदीय चुनावों से पहले आएगी या नहीं? ओवैसी ने कहा कि केरल में क्रूस् की मीटिंग हुई थी, उस मीटिंग में भी उन्होंने जाति जनगणना कराने की बात कही थी। हम जानना चाहते हैं

कि सरकार जनगणना कब शुरू करेगी और कब पूरी होगी और इसका डेटा देश के सामने कब पेश किया जाएगा। बिहार चुनाव लड़ने का किया एलान- ओवैसी ने कहा कि हम बिहार चुनाव लड़ेंगे। हमने बहादुरगंज से अपने उम्मीदवार की घोषणा भी कर दी है। 3 मई को बहादुरगंज में और 4 तारीख को दूसरी जगह मेरी जनसभा है। हम अच्छ लड़ेंगे और हमारे उम्मीदवार पिछली बार से ज्यादा सफल होंगे और सीमांचल की जनता उन लोगों को सबक सिखाएंगी जिन्होंने हमारे विधायकों को चुराया है।

जाति जनगणना इंडिया गठबंधन की जीत, राहुल गांधी के दबाव के बाद सरकार ने लिया निर्णय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना का निर्णय इंडिया गठबंधन की जीत है। गठबंधन के नेता राहुल गांधी द्वारा इसको लेकर लगातार सरकार पर दबाव बनाया जा रहा था, इसी दबाव पर लिया है। अजय राय नैनी में दंपती मिलने पहुंचे थे। केंद्र सरकार द्वारा गठबंधन की जीत है। गठबंधन के लगातार सरकार पर दबाव बनाया जाति जनगणना का निर्णय लिया अजय राय ने बृहस्पतिवार को नैनी में कहीं। वह अवतिका आवास योजना नैनी में सोमवार को बुजुर्ग दंपति की हत्या के बाद उनके परिजनों से मुलाकात करने के लिए गए थे। परिजनों से मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से रूबरू होते हुए अजय राय ने कहा पुलिस द्वारा घटना का किए गए खुलासे से परिजन संतुष्ट नहीं हैं। वह मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हैं। इस दौरान पहलगाम में हुआ आतंकी हमले पर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद और आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। पूरा देश सरकार के निर्णय के साथ है।



अवसर सबको मिलते हैं...; सीएम योगी बोले- कुछ लोग बिखर जाते हैं, कुछ निखर जाते हैं

सीएम योगी ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक के लेखकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि चुनौती नहीं है तो जीवन का सार बेकार हो जाता है। अवसर सबको मिलते हैं कुछ बिखर जाते हैं, कुछ निखर जाते हैं। निखरते वही हैं जो चुनौती को स्वीकार करते हैं। पलायन करने वाले बिखरते हैं। निखरने वाले लोगों के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे।

यहां उन्होंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक चुनौतियां मुझे पसंद हैं के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम जानकीपुरम स्थित एकेटीयू में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र समेत कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। स्वामी चिदानंद सरस्वती भी साथ में रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी



आदित्यनाथ ने बक्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी रहीं। कार्यक्रम में पहुंचकर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद पुस्तक

का विमोचन किया। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में महाकुंभ के बाद पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है जिसमें उपराष्ट्रपति का आगमन है। चुनौतियां मुझे पसंद हैं पुस्तक राज्यपाल के जीवन पर

आधारित महत्वपूर्ण कृति है। जीवन के हर पहलू को 14 अध्याय में संजोया गया है। जैसे समुद्र मंथन से 14 रत्न निकले थे, वैसा ही है। किसान परिवार में जन्मी बेटी ने शून्य से शिखर तक की यात्रा तय की- सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि किसान परिवार में जन्म लेकर शून्य से शिखर तक की यात्रा तय करना। किसी वैष्णव, किसान परिवार में सात दशक पहले कोई बेटी पढ़े, यह उस समय कल्पना थी। उस कल्पना को अपनी जिजीविषा से

राज्यपाल ने आगे बढ़ाया। माता-पिता के संस्कार, संघर्ष से आगे बढ़ीं। एक शिक्षक, प्रधानाचार्य, मंत्री, सीएम अब राज्यपाल के रूप में उनके कार्यकाल एवं कार्यक्रमों को जानने का अवसर हम सभी को मिलता है। उनके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। हमें उनका मार्गदर्शन मिले। महाकुंभ में उप राष्ट्रपति की उपस्थिति प्रेरणादायी रही- सीएम ने आगे कहा कि अक्सर हम शिखर को देखते हैं, उसकी नींव बनाने की मेहनत को नहीं देखते हैं। यह किताब नई प्रेरणा

होगी। महाकुंभ में उप राष्ट्रपति की उपस्थिति प्रेरणादायी रही। उन्होंने इसमें भागीदार बन नई ऊंचाई दी। आपकी और प्रधानमंत्री की प्रेरणा से महाकुंभ को वैश्विक स्तर तक पहुंचाया गया। चुनौती इन्हें भी पसंद है। कुछ दिन पहले स्वास्थ्य सही नहीं था। जैसे ही स्वस्थ हुए पूरे देश में दौरे शुरू हो गए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तब भी कुंद होता है जब सुनने वाला तैयार नहीं होता है। यह किताब लोकतंत्र की कृति बनेगी।

संपादकीय Editorial

Self-realization in transfer

The test of work in administration is never complete, yet the entire period of any government is the responsibility of the officers in the supply of the system. The status of the government resonates in the duty of every officer and if these gems get jingled then it is natural to doubt the flag of the image. Governments also have their own transfer period. We can see this from the Patwari to the Chief Officer of the state. People are better critics and sometimes oppose the transfer orders of the government, but public expectations are also not wax like politics. Administrative officers are the ones who are measured and tested the most in the respect of pointed questions, where every step is a transfer. Obviously, the transfer order of SDM Sanjeev Kumar Bhot, who was sent from Dharamshala to Bharmour, must also have been a step, but the doubts that are being showered cannot be denied outright. Bhot is not just an officer or a bed of service that can be spread in a few days by making him an administrative officer in Kinnaur, Dodra-Kwar, Dharamshala and now Bharmour. The expectations related to Sanjeev Bhot are not from a person, but from an officer empowered in his capacity. Obviously the government has faith, that is why he was made SDM at the fourth place, but repeated transfers have been making his personal and administrative life ridiculous somewhere. This was the reason that this officer, in the culmination of his anger, resigned from the post itself and wrote a break in his administrative horoscope and no confidence in a group of the secretariat. This is not a small incident, rather it has added a new question to the suspicious events related to Vimal Negi. Sanjeev Bhot's live perception may not be considered a hundred percent truth, but this scene is definitely not of self-satisfaction, but of self-introspection. The questions raised by Bhot while highlighting his transfer order may be supported by an angry branch of administrative officers. Some layers may remain covered, but it is difficult to cover the rot. Why did it become easy for an officer to resign from the job and why did he take this behavior to the matter of late Negi. Transferring Sanjeev Bhot may have been a privilege or some reasons can be cited, but in the court of the public, every transfer is not a person but a new belief. In this context, the person who comes to a school on a transfer order is not a person, but a teacher. Unfortunately, these days employees and officers have started getting sealed. Government jobs have started getting divided into political cadres. The government work culture close to temporary power has weakened itself so much that people in administrative services are seen bowing down to leaders. In this context, it is impossible that gossips from the capital cannot make the state secretariat a stronghold of transfers. We would like that if the psychology of officers is to be studied around the investigation of Negi's death, then the agitated questions of Sanjeev Bhot should also be examined. In terms of the administrative image of the state, the self-confidence of the officers will have to be awakened. Psychologically, if an officer works in fear of the transfer system, then the results of the system change will not be rapid. If the responsibility involved in the transfer remains in the competition that efficient lobbying is always necessary to get the desired posting, then there will be no administrative shine, no culture of duty and no situation of being decisive. In such a situation, Sanjeev Bhot's resignation, along with being a normal human aspect, is raising questions on the arrogance and tantrums of the bureaucracy, so some answer is needed.

The enemy will neither live in peace nor let others live in peace, a sure-fire treatment of Pakistan is necessary

Undoubtedly, everything cannot be in an ideal state in such a large country. There will be disagreements and disputes about the reasons and ways to deal with the deep crisis created by Pakistan, along with criticism and condemnation of the government, but what is the difficulty in understanding that we are all on the target? Pakistan, drowned in hatred towards India, proved by carrying out a horrific terrorist attack in Pahalgam that it will neither live in peace nor let us live in peace. Before Pahalgam, in 2013, in a mall in Nairobi and in 2016 in a cafe in Dhaka, jihadis had killed people by demanding them to recite Kalma (an essential sign of being a Muslim). Does terrorism have a religion? There will be debate on this, but there is no scope for debate on the fact that the perpetrators of these attacks were armed with religious inspiration. That is why many Muslim leaders said that the Pahalgam attack embarrassed us, but some people are trying their best to prove that the terrorists did not ask the religion of the people. This is to give a clean chit to the terrorists. The western media is also doing this shamelessly. Hardly most people in the west are aware of the fact that people were killed in Pahalgam after asking their religion. The entire west will pay the price of this act of the western media to protect the jihadis one day. Seven days have passed since the Pahalgam attack, but the whereabouts of the terrorists are unknown. It is clear that someone must have given them shelter or someone must be providing them food and water. If no local had supported them, would such a horrific attack have happened? If the terrorists are killed, only minor satisfaction will be obtained. If they are caught, Pakistan will be exposed again, but its shamelessness will not be affected. After all, even the arrest of Kasab in the Mumbai attack did not affect his health. If a surgical strike or air strike is carried out on Pakistan, it will be afraid, but will do the same thing that it did in Mumbai, Uri, Pathankot, Pulwama and Pahalgam. It will attack using new methods. Like it did in Pahalgam. The general belief was that terrorists target the army, police, Kashmiri Pandits, non-Kashmiris and Hindu pilgrims, but not tourists. This time they selectively killed Hindus among the tourists. A Muslim and a Christian were also killed by them. Perhaps this is because Jihadis believe that those who are with their enemies are also among them. That is why in the past many Kashmiri Muslims also became their target. Since it was believed that terrorists do not target tourists, due attention was not paid to their security. The questions being raised about security lapses are justified, but some people are raising such questions as if the government, by not being very vigilant, gave the terrorists a license to kill tourists. Behind every terrorist attack, there is a lack of vigilance somewhere. It was there during 9/11, it was there during 26/11 and it was there in Pahalgam on 22 April. By increasing vigilance in Kashmir, the attacks may reduce, but they will not end completely. It is a fact that terrorist attacks were happening intermittently in Jammu and Kashmir. As long as the Pakistani army thrives on hatred for Hindu India, it will keep sending jihadis. Jihadis of Lashkar and Jaish are the soldiers of the Pakistani army without uniform. After the Pahalgam attack, the country is boiling with anger, but Pakistan will have to be dealt with with a cool mind, so that Mumbai, Uri, Pulwama, Pahalgam never happen again. Whichever party or government it is, it will have to change the thinking that Pakistan will improve without coming to its senses. The thinking of the entire government machinery will also have to change, because after the Pahalgam attack it was found that many Pakistanis were staying even after the visa period was over. Many such people are not found in Maharashtra and two in Chhattisgarh have acquired Indian identity by deceit. The presence of hundreds of illegal Bangladeshis in Gujarat is an example of how our system, knowingly or unknowingly, conveniently ignores various kinds of dangers. They came illegally and many of them obtained fake Indian identity in Bengal and got employment in Gujarat. What kind of a lack of employment is there in the country that illegal Bangladeshis are fulfilling it? It is not surprising if there are lakhs of illegal Bangladeshis across the country. The government system consists of ordinary Indians. The condition of those who are not there is also not very good. Some regret the ban on Pakistani YouTubers, some regret the suspension of the Indus Water Treaty and some regret the burning of Pakistani flags. What does this indicate? That we have a great lack of enemy awareness. It is understandable to remain unaware of an unseen danger, but not being alert to the enemy that is in front of us, is attacking us repeatedly, wants to break our unity, is an invitation to destruction. If we were alert and could sense the evil-jihadi intentions of the enemy, the situation would have been different today. It is not just the government, the army and the police etc. that need to change, we too need to change. Of course, everything cannot be in an ideal state in such a large country. There will be disagreements and disputes about the reasons for the deep crisis that Pakistan has created and the ways to deal with it, along with criticism and condemnation of the government, but what is the difficulty in understanding that we are all being targeted?

A big decision with double benefits, the suspension of the Indus Water Treaty is a quick diplomatic response against terrorism

It is necessary for India to set its priorities in the light of this suspension of the treaty and move forward towards implementing them. The first priority in this should be the construction and operation of the Bursar and Sawalkot dam projects. For this, a target of developing a storage and disposal capacity of four million acre feet by 2030 should be set. Among the retaliatory steps taken after the Pahalgam terror attack, the most discussed is the suspension of the Indus Water Treaty of 1960. Even after direct and indirect wars with Pakistan and continuous terrorist attacks, India never thought of withdrawing from this treaty, from which it was hardly getting any benefit. In such a situation, it would be more appropriate to call India's move to suspend it not just a quick diplomatic response, but a new outline of the strategy for the control and use of national resources. This will have far-reaching consequences, which will improve the supply and availability of water in Jammu and Kashmir and Punjab. This step of India may seem symbolic in the immediate period, but in the long run it will be very helpful in the development of multipurpose infrastructure projects on rivers like Indus, Chenab and Jhelum. After getting rid of the obstacles related to this treaty, the country has got scope to use water for domestic benefits. This policy change will open the way to connect the water of western rivers with the eastern river flow system, especially Ravi and Beas, whose water is like a lifeline for agriculture in Punjab, Haryana and Rajasthan. If the suspension of Indus Water Treaty is implemented as expected, then this step can prove to be a game changer for canal irrigated agriculture along with putting an end to the disputes between the states regarding water. The suspension period of the treaty can become an opportunity to fulfill all the pending priorities. The possibilities of hydropower projects stuck in limbo due to the provisions of the treaty should be explored. NHPC can be entrusted with this responsibility due to its institutional capabilities and technical expertise. There should be brainstorming on developing multipurpose projects on the main stream of Indus as well. This will serve India's dual interests. On one hand, India's development agenda will get a boost and on the other hand, it will send a strong message to Pakistan in the geopolitical environment. Till now, India was able to use only 5.6 percent of the water under this treaty. Since this treaty has now been suspended, projects like the Bursar Dam can gain momentum. Through this, 45,000 hectares of land will be irrigated. Similarly, 18,000 hectares of land can be converted into high-value crops through lift irrigation using solar energy in the orchards of South Kashmir from Chenab. The impact of diverting water from the western rivers will be far-reaching. Through the Shahpur Kandi project, which will become operational from June this year and the proposed one, 3.8 to four million acre feet of water will be added to the Ravi-Beas river system. This will increase the area of canal irrigation in Punjab from 7,80,000 hectares to 11 lakh hectares. Rajasthan will get 80 % of its eligibility for Ravi-Beas water. The equations of water sharing with Haryana will improve. In this path, it is important to keep in mind geopolitical and ecological aspects along with risks. Pakistan is largely dependent on the western rivers. In such a situation, its 1.2 crore acres of agricultural land can be affected due to the stoppage of water. Especially Punjab and Sindh provinces can be in trouble. Apart from this, the lack of sediment due to construction of huge dams on Chenab and Jhelum can have a bad effect on the fertility of the alluvial plains of Punjab. To deal with this, the methods of farming there may have to be changed. If all this becomes possible, then India's move to suspend the treaty will be a befitting reply to the masters of terror sitting in Pakistan and will also be an indicator that India has no dearth of options to deal with them. It is necessary for India to decide its priorities in the light of this treaty suspension and move forward in the direction of implementing them. In this, the first priority should be the construction and operation of the Barsar and Sawalkot dam projects. For this, a target should be set to develop storage and disposal capacity of four million acre feet by 2030. Water Tribunal should be reorganized with limited powers. Ravi-Beas Water Tribunal should focus only on distribution of Ravi-Beas water in Punjab, Haryana and Rajasthan. While the decision on Chenab and Jhelum water should be outside its jurisdiction. In this, eligibility for surplus flow of water should be given to its coastal states like Punjab and Jammu and Kashmir. A way can also be found to recharge water bodies with this water. At least 15 percent of the surplus water should be used to recharge water bodies in southern and south-western Punjab. This will greatly help in reducing the decline in groundwater, stabilizing the water level and dealing with any feared drought situation. The projects that have been made possible by this change will not only increase the scope of irrigation to more than two lakh hectares of land in Jammu and Kashmir and Punjab, but will also provide an additional 3,000 megawatt of clean hydropower to the national grid. These projects should be of national status, in which aspects like irrigation and power are achieved with 100 percent central contribution. This is not only economically inevitable, but it is also a big challenge. It will also be a symbol of political resolve towards national unity, security and equitable development. This is an opportunity to complete the deficiencies with engineering excellence and to transform dependency into sovereignty. This step will usher in a new era of water security, lay the foundation of a new agricultural revolution in Punjab and Jammu and Kashmir and will also emerge as a symbol of the new spirit of the Indian nation-state.

आय प्रमाण पत्र की गलत रिपोर्ट लगाने में फंसे छह लेखपाल, हो रही जांच... कई प्रकरण आए सामने

आंगनबाड़ी वर्कर के रिक्त पद के आवेदन के लिए गहराई से जांच किए बिना आवेदकों की कम आय होने की रिपोर्ट लगाने में छह लेखपाल फंस गए हैं। तीन लेखपालों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू हो गई है तथा तीन गई जांच आख्या की राजस्व कराई जा रही है। आंगनबाड़ी की सूची जारी होने पर नियुक्ति को पता चला कि उनके राजस्व कर्मियों से हमसाज होने का प्रमाण पत्र तहसील लिया। एसडीएम विनय कुमार पर गंभीरता दिखाते हुए जब अधिकारियों से जांच कराई तब लापरवाही सामने आई। सूत्रों से मिली जानकारी के नाजिया सुल्तान द्वारा सतारन आसिफ, लेखपाल अविनाश निवासी शाहनवाज हुसैन और द्वारा ऊँचाकानी गांव निवासी आय के आवेदन की जांच में तीनों के खिलाफ विभागीय गई है। लेखपाल कपिल कुमार मेराज आलम और लेखपाल



ताहरपुर निवासी मुनीर अहमद के आय प्रमाण पत्र की जांच में लापरवाही बरतने पर पुन्न् राजस्व निरीक्षक से जांच रिपोर्ट मांगी गई है। लेखपाल सुमन भारती द्वारा बरेठा खिज़पुर गांव निवासी बाबू हुसैन के ई डब्ल्यू एस के प्रमाण पत्र के आवेदन की जांच में लापरवाही बरतने पर विभागीय कार्यवाही शुरू की गई है। राजस्व विभाग के सूत्रों के अनुसार आय प्रमाण पत्र के आवेदनों की जांच में लापरवाही सामने आने पर लेखपाल मोहम्मद तहसीन और प्रदीप भारती की भी लापरवाही पकड़ में आने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है। तहसीलदार ने संबंधित लेखपालों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू किए जाने की पुष्टि की है।

जांच को आई टीम के सामने दो पक्षों का हंगामा, टीम का घेराव

मसवासी/स्वार। ख़ौद कलां गांव में विकास कार्यों में हुई कथित अनियमितताओं की जांच के लिए पहुंची टीम के सामने दो पक्षों में विवाद हो गया। हंगामा बढ़ते देख टीम वहां से जाने लगी तब ग्रामीणों ने उनकी कार का घेराव कर लिया। टीम को बिना जांच किए ही भीड़ से बचकर वहां से सुरक्षित निकलना पड़ा। ग्रामीणों ने गांव में हुए विकास कार्यों की गुणवत्ता और वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत डीएम समेत संबंधित विभाग के अधिकारियों से की थी। शिकायत की जांच पिछड़ा वर्ग समाज कल्याण अधिकारी जीशान मालिक को सौंपी गई थी। बुधवार को जीशान मलिक अपने मातहतों को साथ लेकर ख़ौदकलां गांव पहुंचे। टीम के आने की सूचना पर पक्ष और विपक्ष के तमाम लोग पंचायत भवन में एकत्र हो गए। जांच टीम ने अभिलेखों को खंगालना शुरू किया। इस दौरान शिकायतकर्ता पक्ष ने भौतिक सत्यापन के लिए गांव में चलने को कहा। इस बात को लेकर दूसरे पक्ष ने आपत्ति जताई। इस बात को लेकन दोनों पक्षों के बीच कहासुनी तेज हो गई। हंगामा होते देख टीम के हाथ पांव फूल गए। विवाद बढ़ने पर जांच टीम वहां से जाने लगी लेकिन ग्रामीणों ने उनकी कार का घेराव कर लिया और जांच पूरी करने की मांग की। चूंकि हंगामा अधिक बढ़ रहा था इस लिए टीम के सदस्यों ने ग्रामीणों को किसी तरह शांत किया। इसके बाद टीम बिना कोई जांच किए वापस लौट गई। इसके बाद लोग भी वहां से चले गए। ख़ौदकलां गांव में हुए विकास कार्यों की जांच के लिए पहुंचे थे। लेकिन, दोनों पक्षों के बीच हंगामा होने लगा। जांच करना मुश्किल हो रहा था इसलिए को जांच नहीं हो पाई। अब अगली बार पुलिस की मौजूदगी में जांच कराई जाएगी। – जीशान मलिक, पिछड़ा वर्ग समाज कल्याण अधिकारी

कारोबारी बोले, छिन गई दुकान, घर ले जा रहे सामान

रामपुर । शहर के राम-रहीम पुल के पास स्थित 40 में 28 दुकानें जमींजोद हो चुकी हैं। शेष 12 दुकानें भी खाली करा ली गई हैं। अब अगले दिनों में इन दुकानों पर भी बुलडोजर चलने वाला है। बुधवार दोपहर एक बजे के दौरान यहां बेबस व्यापारी दुकानों से अपना कारोबार समेट रहे थे। कारोबारियों के चेहरे मायूस थे, उनमें बेबसी स्पष्ट झलक रही थी। पूछने पर कहा कि दुकानें छिन गई हैं और सामान समेट कर घर ले जा रहे हैं। आरोप भी लगाया कहा कि नगर पालिका ने कभी नोटिस तक नहीं दी और दो दिन पहले आकर लाल निशान लगा दिया और दुकान खाली करने को हिदायत दे गए हैं। पिकअप में टोनी दुकान से स्पेयर पार्ट्स का सामान निकालकर लोड कर रहे थे। कहा कि दुकान छिन जाने के बाद अब वह तो बर्बाद होकर बेरोजगार हो गए हैं। परिवार का खर्चा कहाँ से पूरा करेंगे, बच्चों को कैसे पढ़ाएँगे यह चिंता उन्हें खाए जा रही है। उन्होंने बताया कि पालिका की दुकान में 20 साल से उनका स्पेयर पार्ट्स का कारोबार था। पड़ोस में उनके पिता अतीक अहमद की दुकान थी। टोनी ने बताया कि वह इसी दुकान में कारोबार कर रहे थे। दुकानें नगर पालिका की हैं। आवंटन के बाद उन्हें मिली थीं, हर महीने पालिका में किराया भी जमा कर रहे थे। किराया जमा करने में वह कभी डिफाल्टर नहीं रहे। अभी चार दिन पहले ही मार्च तक का किराया जमा किया है।मोहम्मद इरफान ने कहा कि दुकान खाली कर सामान घर लेकर जा रहे हैं। इन्होंने बताया कि नगर पालिका ने दुकान खाली करने को उन्हें कोई नोटिस तक नहीं दिया। दो दिन पहले दुकान पर लाल निशान लगाकर और उसे खाली करने का अल्टीमेटम देकर चले गए थे। राम-रहीम पुल के पास पालिका की पक्की दुकान में अतीक अहमद का मोटर पार्ट्स का कारोबार था। इन्होंने बताया कि वह इसी दुकान में 40 साल से रोजगार करते चले आ रहे हैं, लेकिन दो दिन पहले ही नगर पालिका के लोगों ने आकर दीवार पर लाल निशान लगाया और दुकान खाली करने की हिदायत दे गए हैं। जबकि उन्होंने नगर पालिका में दुकान का किराया 31 मार्च 2025 तक का जमा कर रखा है।बिना कारोबार के बर्बाद होकर रह गए- बुजुर्ग कारोबारी अतीक अहमद ने सवाल किया कि ये दुकानें गलत तरीके से बनी कैसे हो सकती हैं, चूँकि इनका निर्माण नगर पालिका ने ही कराया था और व्यापारियों को आवर्तित की थीं। यदि पालिका को दुकान खाली करानी थीं तो कम से कम नोटिस देकर महीने भर तक का व्यापारियों को मौका भी देना चाहिए। साथ ही वैकल्पिक तौर पर दुकानदारों को कारोबार करने के लिए कहीं दूसरी जगह देनी चाहिए, लेकिन नगर पालिका ऐसा कुछ न करके दुकानें खाली कराकर उन्हें ढहाने के साथ ही कारोबारियों का धंधा छीन लिया है। बुजुर्ग कारोबारी अतीक ने कहा कि अब वह कर क्या सकते हैं। 50 साल से इसी दुकान में मेहनत-मशक़त करी, अब हम लोगों के पास और कोई रास्ता नहीं बचा है। हम लोग बिना कारोबार के हो गए हैं। बर्बाद होकर रह गए हैं। बेबस कारोबारियों ने खाली कर दीं दुकानें- राम-रहीम पुल के पास पालिका की दुकानों में से पांच नंबर दुकान में आफताब मैकेनिक का काम करते थे। बताया कि अब कहाँ करेंगे, यह सोंचकर परेशान हैं। सुमित ने बताया कि उनकी कार-बाइक मरम्मत की दुकान थी, सोमवार को टूट गई तो सामान उठाकर घर रख लिया है। राशिद ने बताया कि उनकी चिकन कॉर्नर की 40 साल पुरानी दुकान थी। बिना किसी नोटिस के खाली करा लिया है। कहा कि पालिका के चेयरमैन से कई बार मिलने का प्रयास किया तो वह मिले नहीं। दुकान छिन जाने से विवेक श्रीवास्तव भी बेरोजगार हो गए हैं। यह भी दुकान टूटने के बाद भटक रहे हैं। बताया कि 40 साल पुरानी दुकान थी, पहले पिता जी बैठते थे। राजेंद्र कुमार वर्ष 1972 से सीट कवर का काम करते थे। कहते हैं कि अब उनके पास कोई रास्ता नहीं है। वह हार्ट के रोगी भी हैं। अब क्या करें, मजबूर हैं और दुकान खाली कर रहे हैं।

लेखपालों के द्वारा भेजी निरीक्षक से पुन्न् जांच वर्कर की नई नियुक्ति से वंचित रहे आवेदकों प्रतिद्वंद्वी आवेदक ने होकर अपना कम आय कार्यालय से जारी करा सिंह ने ऐसी शिकायतों अधीनस्थ राजस्व छह लेखपालों की तहसीलदार कार्यालय अनुसार लेखपाल निवासी मोहम्मद यादव द्वारा जलालपुर लेखपाल फहीम हुसैन कपिल कुमार की लापरवाही बरतने पर कार्यवाही शुरू कर दी द्वारा ललवारा निवासी सचिन वर्मा द्वारा

भाकियू टिकैत की पंचायत में उठी एमएसपी कानून की मांग

स्वार। भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने किसानों से आह्वान किया है कि वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। संगठन जब ताकतवर होगा, तभी शासन और प्रशासन से अपनी जायज मांगों को मनवाया जा सकेगा। गूलड़ पीपलसाना स्थित कार्यालय पर आयोजित पंचायत में ब्लॉक अध्यक्ष लखविंद सिंह गिल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकारें किसानों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज कर रही हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून नहीं बनाया जा रहा है, जबकि देशभर के किसान संगठन वर्षों से इसकी मांग कर रहे हैं और आंदोलन भी कर चुके हैं। इसके बावजूद सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। भारतीय किसान यूनियन के सलाहकार सलामत जान ने कहा कि गेहूं की फसल उठने के बाद किसान अपनी मांगों को लेकर दोबारा मुखर होंगे। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह किसानों के हित में कर्ज माफी और बिजली मुफ्त देने की घोषणा करे। पंचायत में चौधरी अजीत सिंह, तहसील अध्यक्ष अमीर अहमद, जजबीर सिंह, जीत सिंह, हरपाल सिंह, बलवंत सिंह, प्रताप सिंह और बलदेव सिंह सहित कई किसान और संगठन पदाधिकारी उपस्थित रहे। पंचायत का संचालन जीत सिंह ने किया।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत, परिजनों ने किया अंतिम संस्कार

रामपुर । बिलासपुर। कोतवाली क्षेत्र के कोठा जागीर गांव में मंगलवार की रात युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बुधवार की सुबह परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कोठा जागीर निवासी लाखन (30) पुत्र धनीराम हरबोला की दो दिन पूर्व अपने घर में अचानक हालत खराब हो गई थी। इसके बाद परिवार के लोग उन्हें गंभीर हालत में नगर के चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे थे। चिकित्सक ने उन्हें जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। मगर परिवार के लोग रुद्रपुर के निजी अस्पताल ले गए। रुद्रपुर के चिकित्सकों ने गंभीर हालत में बरेली रेफर कर दिया। प्रधान ओम प्रकाश सिंह यादव ने बताया कि बरेली के चिकित्सकों ने दोबारा रुद्रपुर के एक अन्य निजी अस्पताल रेफर कर दिया। मंगलवार को परिवार के लोग लाखन को घर ले आए। देर रात में अचानक उनकी मृत्यु हो गई। मृत्यु होते ही परिवार के लोग विलाप करने लगे। सूचना पर ग्राम प्रधान भी मौके पर पहुंच गए। बुधवार की सुबह परिजनों ने बिना पुलिस कार्रवाई के अंतिम संस्कार कर दिया। गांव में चर्चा थी कि युवक ने दो दिन पूर्व घरेलू कलह के चलते अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया था। मगर परिजनों ने उन्हें किसी तरह बचा लिया था। इसके बाद से चिकित्सक उनका उपचार करा रहे थे। मृतक के एक पुत्र व दो पुत्री बताए गए हैं। कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि घटना की उनके पास कोई सूचना नहीं है। अगर कोई सूचना देता तो पुलिस कार्रवाई करती।

एक दूसरे को जीवन साथी बनाने में विफल रहने पर प्रेमी युगल ने जहर खाकर जान दे दी। युवती के परिजनों ने उसके शव का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया और शव का अंतिम संस्कार कर दिया। जान गंवाने वाला युवक सोनकपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला था। जबकि युवती से बिलारी थाना क्षेत्र के एक गांव की थी। दोनों की ही एक दूसरे के गांव में रिश्तेदारी है जिसकी वजह से आना जाना रहता था। जिससे दोनों की नजदीकियां बढ़ गई थीं। हालांकि प्रेमी युगल एक जाति से तात्त्विक रखते थे। बताते हैं कि प्रेम-प्रसंग का राज जब उजागर हुआ तो कुछ बंदिशें में भी सामने आने लगी है। माना जा रहा है कि एक दूसरे को जीवन साथी बनाने के संजोए सपने पूरे नहीं होते दिखाई देने पर प्रेमी युगल ने जहर खा लिया। दोनों क्षेत्र के ही जलालपुर खास संपर्क मार्ग पर मिले थे। दोनों के परिजन अलग-अलग निजी अस्पतालों में ले गए। मंगलवार की देर रात युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था, परिजनों ने कार्रवाई से मना कर दिया। युवती को उसके परिजन उत्तराखंड के एक अस्पताल में ले गए थे जिसने बुधवार शाम इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। युवती के शव का भी परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराया और अंतिम संस्कार कर दिया। थाना प्रभारी प्रदीप सहरावत का कहना है कि प्रेमी युगल ने किसी वजह से जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी है। इसकी कोई लिखित शिकायत नहीं आई है।

वसूली को गई राजस्व टीम से बदसलूकी, पुलिस ने तीन को हिरासत में लेकर छोड़ा

वसूली करने गई राजस्व विभाग की टीम से अभद्रता करना बकाएदारों के परिजनों को भारी पड़ गया। मामले में पुलिस ने तीन युवकों को हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में उन्हें मुचलके से पाबंद कर छोड़ दिया गया। तहसीलदार राकेश चंद्रा के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम कोतवाली क्षेत्र के गांव मीरपुर में वसूली करने के लिए गई थी। गांव निवासी रोहन सिंह पर प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक का 4 लाख 72 हजार रुपये और देवेंद्र की पत्नी राजबाला पर भूमि विकास बैंक का 3 लाख 32 हजार व विद्युत विभाग का 32 हजार रुपये बकाया था। टीम में शामिल संग्रह अमीन प्रेमशंकर तिवारी के मुताबिक वह बुधवार को वसूली करने गए थे। गांव में बकाएदार के पुत्र बंटी, विकेश एवं विकास मिले। बंटी और विकेश ने कहा कि माता-पिता घर पर नहीं हैं, हम आपको उनके पास ले चलते हैं।लेकिन जहां वे लेकर गए, वहां बकाएदार मिले नहीं। अमीन के मुताबिक वह बकाएदारों के बेटों को गाड़ी में यह कहकर बैठा लाए कि वह उन्हें तहसील में छोड़ देंगे। आरोप है कि वहां पर राजमाला व देवेंद्र भी आ गए और अमीन से अभद्रता करने लगे। इतना ही नहीं वह गाली-गलौज पर आमदा हो गए। मामले में संग्रह अमीन की तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बाद में मुचलके से पाबंद कर तीनों को छोड़ दिया।

अवैध प्लॉटिंग पर चला प्रशासन का बुलडोजर

रामपुर । टांडा। सेंटाखेड़ा में टांडा-रामपुर मार्ग पर बिजलीघर के पास हो रही अवैध प्लॉटिंग पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। एसडीएम कुमार गौरव के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बिना किसी वैध अनुमति के कुछ लोग कृषि भूमि पर अवैध रूप से प्लॉटिंग कर भूखंडों की बिक्री कर रहे थे। शिकायत मिलने पर एसडीएम ने तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा और अवैध रूप से बनाई गई सड़कें तथा सीमांकन को नष्ट कर दिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक – नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

दलित सांसद रामजी लाल सुमन के समर्थन में सड़कों पर उतरे सपाई

क्यूँ न लिखूँ सच – यूसुफ

मुरादाबाद, सिविल लाइन स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव की अगुआई में आज सुबह से ही सांसद, पूर्व सांसद विधायक पूर्व विधायक वरिष्ठ नेताओं जिला व महानगर के पदाधिकारियों के नेतृत्व में दलित विरोधी सरकार, पीडीए विरोधी सरकार,रामजी लाल सुमन के हमला वरों फांसी फांसी दो, आतंकी संगठन करणी सेना को प्रतिबंध करों, करणी सेना हाय हाय, रामजी लाल सुमन जिंदाबाद, समाजवादी पार्टी जिंदाबाद, अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारों के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता सपा कार्यालय पर एकत्र होने लगे। पार्टी कार्यालय से नारेबाजी करते हुये सेकड़ों कार्यकर्ताओं का काफिला जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव सांसद रूचि वीरा, पूर्व सांसद डॉ एस टी हसन, विधायक मोहम्मद फहीम इरफ़ान, विधायक नासिर कुरैशी, पूर्व विधायक हाजी युसूफ अंसारी, पूर्व हाजी रिजवान के नेतृत्व मे नारेबाजी करते हुए जुलुस की शक्ति मे कलक्ट्रेट को निकल पड़ा हाथों में अम्बेडकर जी, रामजी लाल सुमन एवं नारे लिखी तख्तीयां और पार्टी के झंडे लहराते चल रहें थे तख्ता बदल दो, ताज बदल दो, बेईमानों का राज बदल दो, हर जोर जुल्म की टक्कर पर संघर्ष हमारा नारा है, नारे लगाते हुये जिला कलेक्ट्रेट पर पहुँचे। प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जयवीर यादव ने कहा समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के समर्थन में अब सपा खुलकर उतर आई है। रामजीलाल सुमन और अखिलेश यादव जी को धमकी नहीं है। ये कानून व्यवस्था का सवाल है, उन लोगों ने इसकी धज्जियां उड़ा दी है। ये लोग चुनौती पुलिस प्रशासन को दे रहे हैं।सांसद रामजी लाल सुमन जी के काफिले पर टायर व पत्थर फेंककर, उनके ऊपर जो जानलेवा हमला हुआ है वो उस ऐक्सीडेंट का कारण बना है, जो प्राणांतक दुर्घटना में भी बदल सकता था। ये एक अपराधिक कृत्य है। इतने टायर एक साथ इकट्ठा करना, एक गहरी साजिश का सबूत खुद है। ये एक बार फिर इंटीलजेंस की गहरी चूक है या फिर जानबूझकर की गयी अनदेखी है। अगर शासन-प्रशासन ये सब जानते हुए भी अंजान बनने की कोशिश कर रहा है तो वो ये जान ले कि अराजकता किसी को भी नहीं बख्शाती है, एक दिन भाजपाई और उनके संगी-साथी भी ऐसे हिंसक तत्वों का शिकार होंगे। देश में एक सांसद के ऊपर हुए जानलेवा हमले का संज्ञान लेना वाला कोई है या फिर ‘पीडीए का सांसद’ होने के कारण वचस्ववादियों की सरकार शर्मनाक चुप्पी साधकर भूमिगत हो जाएगी अब क्या बुलडोज़र का दम बेदम हो गया है या उग्र की सरकार ने अराजकता के आगे समर्पण कर दिया है या फिर ये सब उग्र सरकार की रज़ामंदी से हो रहा है घोर निंदनीय है. समाजवादी पार्टी ऐसे आतंकी संगठन को प्रतिबंध करने की मांग करती है। अंत में राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी अनुज कुमार सिंह को सौंपा गया। प्रदर्शन एवं ज्ञापन में जिलाध्यक्ष जयवीर यादव, सांसद रूचि वीरा, पूर्व सांसद डॉ. एस टी हसन, विधायक फहीम इरफ़ान, विधायक नासिर कुरैशी, पूर्व विधायक हाजी रिजवान, पूर्व विधायक हाजी युसूफ अंसारी,फुरकान अली, पूर्व महानगर अध्यक्ष शाने अली शानू, धर्मेन्द्र यादव,लाखन सैनी, महानगर अध्यक्ष इक़बाल अंसारी,फिरासत हुसैन गामा, नाजिम अली,वेद प्रकाश सैनी, जयपाल सैनी,प्रदीप यादव, योगेन्द्र यादव,नाजिम हुसैन, जयकुमार प्रजापति, आदित्य चौधरी,अताउहमान, रहीशउद्दीन नईमी, नबी जान, बबुद खान, हारून पाशा, रजिउद्दीन, राजेश यादव,विजयवीर यादव, नागभारती, दुर्गा शर्मा, राजकुमार प्रजापति,गोविन्द प्रजापति, सुरेंद्र शर्मा, जिगरी मलिक, फरीद मलिक,मनोज यादव,अशोक सैनी, वी के सैनी, महेन्द्र पाल सिंह, हाजी उस्मान,लुकमान खान दानिश मिर्जा मो तकी,मोईनुद्दीन, हाजी उवेश, राबूल पाशा, हनीफ, फजिल मलिक अफरोज जंहा, कादिर पाशा तुंगिश यादव, राहुल यादव,शोएब पाशा,गजेन्द्र यादव, शरीफ सलमानी, मो कदीर, अहसान अली पाशा, मजीद अली, विशेष यादव,हरपाल यादव,असलम पंचायती,लालू परवेज, सरवर मिर्जा, फहीम मंसूरी आदि सहित सेकड़ों पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद थे

बरेली शहर में भारी वाहनों की रहेगी नो एंट्री दो

दिन रहेगा डायवर्जन सड़कों पर निकलें संभलकर

क्यूँ न लिखूँ सच-ब्यूरोचीफ

बरेली। बरेली में आला हजरत खानदान से जुड़े उर्स-ए-ताजुशरिया इस बार चार व पांच मई को



सोमवार को यह व्यवस्था लागू की है। लागू रहेगा डायवर्जन सभी प्रकार के भारी वाहन, रोडवेज बसें झुमका तिराहा व रोड नंबर एक परसाखेड़ा से व मिनी बाईपास से मथुरापुर की तरफ प्रतिबंधित रहेंगे। रामपुर, मुरादाबाद की तरफ आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है, वह बड़ा बाईपास से विलवा, विलयधाम होते हुए इन्वर्टिस तिराहे से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे। रामपुर, मुरादाबाद की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बढ़ायूं की तरफ जाना है वह बड़ा बाईपास से विलवा, विलयधाम, फरीदपुर से बुखारा मोड़ से रामगंगा तिराहे से जा सकेंगे। नैनीताल की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है, वह बड़ा बाईपास से इन्वर्टिस तिराहे से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे। नैनीताल की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बढ़ायूं की तरफ जाना है वह बड़ा बाईपास से विलवा, विलयधाम, फरीदपुर से बुखारा मोड़ से रामगंगा तिराहे से जा सकेंगे। पीलीभीत से आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है वह विलयधाम से बड़ा बाईपास से इन्वर्टिस तिराहा से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे व पीलाभीत से आने वाले भारी वाहन जिनको बढ़ायूं की तरफ जाना है वह विलयधाम से बड़ा बाईपास, फरीदपुर से बुखारा मोड़ से रामगंगा तिराहे से जा सकेंगे। बढ़ायूं की तरफ से आने वाले सभी प्रकार के भारी वाहन जिनको बरेली आना है वह रामगंगा तिराहे से बुखारा मोड़, फरीदपुर, इन्वर्टिस तिराहा होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे व जिन वाहनों को पीलीभीत, नैनीताल, दिल्ली व लखनऊ की तरफ जाना है वह बुखारा मोड़ से फरीदपुर, बड़ा बाईपास होकर अपने-अपने गंतव्य को जा सकेंगे। लखनऊ की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है वह इन्वर्टिस तिराहे से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे व जिनको दिल्ली, पीलीभीत, नैनीताल जाना है वह बड़ा बाईपास से होकर जा सकेंगे। दिल्ली व रामपुर की तरफ से आने वाली रोडवेज बसें झुमका तिराहे से विलवा से डेलापीर, सौ फुटा पूर्वी होते हुए सेटेलाइट रोडवेज बस स्टैंड तक आ सकेंगी व इसी मार्ग से वापस जाएंगी।

जेसीबी की टक्कर से छात्रा की मौत

पिता का आरोप- खनन माफिया दे रहा

धमकी, पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच-ब्यूरोचीफ

बरेली। सीबीगंज थाना पुलिस खनन को लेकर अक्सर सवालों के घेरे में रहती है। हाल ही में खनन माफिया के पक्ष में किसानों की फटकार लगाते सीबीगंज इंस्पेक्टर का वीडियो वायरल हुआ था, अब खनन के कार्य में लगी जेसीबी की टक्कर से इंटर की छात्रा पिता की फरियाद पर पुलिस ने ध्यान नहीं दिया। इससे खनन वह पीड़ित परिवार को धमकी दे से गांव पुत्रापुर मार्ग पर सरदार की जेसीबी ने 22 अप्रैल को 18 वर्षीय को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में शिवानी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे परिजनों ने मिनी बाईपास स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां वह नौ दिन तक कोमा में रही। बुधवार रात उसने दम तोड़ दिया। खनन माफिया को हो कार्रवाई% छात्रा के पिता अरविंद पाठक ने बताया कि उन्होंने सीबीगंज थाना पुलिस को सूचना दी लेकिन सुनवाई नहीं हुई। फिर 1076 पर कॉल की तो सीओ ने आकर पुलिस से पंचनामा भरवाया। अरविंद पाठक ने बताया कि उन्होंने घटना के बाद जिस जेसीबी मालिक के खिलाफ तहरीर देकर रिपोर्ट कराई थी। वह उन्हें धमकी दिलवा रहा है। मृतका के पिता ने बताया कि उनकी बेटी काफी होनहार थी। उसकी आत्मा को तभी शांति मिलेगी, जब खनन माफिया पर ठोस कार्रवाई हो, वह एसएसपी से मिलकर शिकायत करेंगे।



एक दिवसीय संगोष्ठी विज्ञान एवं

प्रौद्योगिकी में आधुनिक प्रगति -

भविष्य की संभावना का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय बरेली में एक दिवसीय संगोष्ठी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में आधुनिक प्रगति - भविष्य की संभावना का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ प्रो. डॉ. शालिनी सिंह रसायन विभाग, बरेली कॉलेज बरेली एवं प्रो. डॉ. वी.पी. सिंह विभागाध्यक्ष भौतिक विभाग, बरेली कॉलेज बरेली, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, कार्यक्रम समन्वयक संजय गुप्ता विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, सह समन्वयक डॉ. के.के. अग्रवाल, एवं डॉ. रेशू जौहरी ने दीप प्रज्वलित कर किया गया।



डॉ. के.के. अग्रवाल ने संगोष्ठी शीर्षक की रूपरेखा प्रस्तुत की। जिसमें उन्होंने रसायन विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में चल रही आधुनिक शोध का विस्तृत वर्णन करते हुए सभागार में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को छात्र-छात्राओं द्वारा दिये जाने वाले प्रस्तुतियों से अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान समय में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी स्थान रखता है। तथा हम सभी ने सत्त प्रयास करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखा है। प्रो. डॉ. वी.पी. सिंह विभागाध्यक्ष भौतिक विभाग, बरेली कॉलेज बरेली ने भौतिक विज्ञान में चल रही नवीनतम शोध से छात्र-छात्राओं को अवगत कराते हुए कहा कि आज का युग इलेक्ट्रॉनिक्स का विशेष योगदान है उन्होंने उपयोग में लाये जाने वाले सेमीकन्डक्टर के बारे में जानकारी दी। वहीं रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. डॉ. शालिनी सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के युग में चिकित्सा के क्षेत्र में चल रहे शोध में नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुये नई कारगर दवाओं का अविष्कार किस प्रकार किया जा सकता है पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बी.एस. सी. पी.सी.एम. के छात्र-छात्राओं द्वारा पावर पाइन्ट प्रिजेंटेशन भी दिये गये। जिसमें भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में दी गई प्रस्तुतियों में दीपेंद्र सिंह को प्रथम, वैष्णवी कुमारी को द्वितीय तथा मानसी यादव को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया वहीं रसायन विज्ञान के क्षेत्र में दी गई प्रस्तुतियों में शिवालिका को प्रथम, रितू को द्वितीय तथा शमा बी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। गणित विभाग की ओर से श्रेयसी, आकांक्षा श्रीवास्तव तथा अभय सक्सेना को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम समन्वयक संजय गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस संगोष्ठी द्वारा आधुनिक शोध की विविधता को मंच देने का प्रयास किया गया है इसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं में आधुनिक शोध में अभिरूचि उत्पन्न करना है। मंच संचालन डॉ. रेशू जौहरी ने किया । इस अवसर पर डॉ. नीतू शर्मा, डॉ. सोनल अग्रवाल, डॉ. के.के.मेहरोत्रा, डॉ. प्रमोद सक्सेना, डॉ. आकाश गंगवार, अजीत सिंह, डॉ. पूजा अग्रवाल, चन्द्रप्रकाश, प्रफुल्ल पाठक, शिवम गंगवार, आदि मौजूद रहे।

डीएम ने किया महिला पीएसी बटालियन

के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी अवनीश राय ने गुरुवार को तहसील दातागंज के सैजनी में निर्माणाधीन महिला पी0ए0सी0 बटालियन के निर्माण कार्यों का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने नक्शे का अवलोकन कर निर्माण कार्यों के सम्बंध में अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं के अभियंताओं को निर्देशित किया। उन्होंने बटालियन के समीप पुलिस मॉडल स्कूल बनाए जाने के लिए ग्रामसभा की भूमि को चिन्हित करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने महिला पी0ए0सी0 बटालियन में बनाए जा रहे आवासीय व अनावासीय परिसरों के निर्माण की स्थिति को जाना। उन्होंने कहा कि जो निर्माण कार्य शेष हैं उनको जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्माणाधीन भवनों में पानी की निकासी की स्थिति को भी जाना व इस संबंध में संबंधित को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर सीडीओ केशव कुमार, एसडीएम दातागंज धर्मेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सपाइयों ने किया

धरना-प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच-ब्यूरोचीफ

बरेली। समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को सिविल लाइंस स्थित सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में धरना प्रदर्शन किया। सपाइयों ने कहा कि बीते कई सप्ताह से समाजवादी पार्टी



के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन पर करणी सेवा द्वारा निरंतर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। साथ ही हमले भी किया जा रहे हैं। इस संबंध में बार-बार शिकायत करने के बावजूद स्थानीय पुलिस प्रशासन कोई भी ठोस कार्यवाही नहीं कर रही है। सपाइयों ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टियों की शह पर ही अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं।

डीएम का सर्व भारतीय सेवा

समिति ने किया स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच-ब्यूरोचीफ

बरेली। सर्व भारतीय सेवा समिति के पदाधिकारियों ने गुरुवार को नवागत जिलाधिकारी अविनाश सिंह से मुलाकात कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को फूलों का गुलदस्ता



भेंट कर उनके पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं दीं और उनके प्रशासनिक अनुभव व कार्यशैली की प्रशंसा की। समिति के सदस्यों ने उम्मीद जताई कि अविनाश सिंह के नेतृत्व में जिले का सर्वांगीण विकास होगा और आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। साथ ही जहीर अहमद ने बरेली महोत्सव करवाने की मांग भी की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने भी समिति के कार्यों की सराहना करते हुए जनहित में सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन आमजन के लिए है और सभी वर्गों से संवाद व सहयोग की भावना से कार्य किया जाएगा। मुलाकात के दौरान समिति के प्रमुख पदाधिकारी जहीर अहमद, शारिक अली खान, सुरेंद्र त्यागी, दानिश जमाल, मनोज अरोड़ा समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर

दिवस पर विचार गोष्ठी

का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

आज अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस एक मई के अवसर पर श्रम विभाग एवम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से विचार गोष्ठी, विधक जागरूकता, श्रिमक पंजीकरण एवम हितलाभ

वितरण कार्यक्रम का आयोजन गंगा एक्सप्रेस वे की निर्माण साइट भानपुर पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रमिकों ने प्रतिभाग किया। श्रम विभाग से सहायक श्रमायुक्त ने श्रम कानूनों की विस्तृत जानकारी दी तथा विभाग द्वारा निर्माण श्रमिकों के लिए संचालित योजनाओं के विषय में विस्तार से बताया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बढ़ायूं श्रीमती शिव कुमारी ने लोक अदालत, निःशुल्क विधिक सहायता तथा महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर कानूनी संरक्षण के विषय में विस्तार से जानकारी दी।



मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया सर्विलांस पोर्टल एवं वीपीडी डिजीटल सर्विलांस शुरू किया जा रहा है

क्यूँ न लिखूँ सच-आलोक नारायण

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 एन0डी0 शर्मा ने बताया कि 1 मई 2025 से उत्तर प्रदेश सरकार यूनीफाइड डिजीज सर्विलान्स पोर्टल (यूडीएसपी) पर वैक्सीन प्रिवेन्टेबिल डिजीजेस (वीपीडी) का डिजिटल सर्विलान्स शुरू किया जा रहा है। यह पहल, रीयल टाइम केस रिपोर्टिंग, सटीक और विश्वसनीय डेटा संग्रह को सक्षम करेगी, जिससे रोगों / प्रकोपों का शीघ्र पता लगाया जा सके और त्वरित गति से प्रभावी रणनीतियां तैयार कर क्रियान्वयन किया जा सके। वैक्सीन से रोके जा सकने वाली 6 बीमारियों-पोलियोमाइलाइटिस (एक्यूट प्लेसीड पैरालिसिस), खसरा, रूबेला, डिप्थीरिया, पर्तुसिस और टिटनेस के लिए केस बेस्ड सर्विलान्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन के राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य सहयोग नेटवर्क (एनपीएसएन) के सहयोग से सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (Universal Immunization Program) के तहत चल रही है। अब, पहली बार, इस निगरानी को यूडीएसपी में इंटीग्रेट किया जाएगा, जो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 के बाद विकसित एक राज्य के स्वामित्व वाला डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसका उद्देश्य राज्य के लिए एकीकृत निगरानी प्रणाली के रूप में कार्य करना है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने ऐसा प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जिसे शुरू में मई 2023 में 12 अधिसूचित रोगों के लिए लॉन्च किया गया था और तब से यह बड़े पैमाने पर क्रियाशील है। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि हमारे यूनीफाइड डिजीज सर्विलान्स पोर्टल (यूडीएसपी) के माध्यम से टीकों से रोकी जा सके वाले रोगों की डिजिटल निगरानी (सर्विलान्स) से जिलों और राज्य के बीच तीव्र गति से (faster communication) संवाद संभव हो सकेगा, जिससे इन रोगों की शीघ्र पहचान और पब्लिक हेल्थ रिस्पांस की गुणवत्ता में सुधार हो सकेगा। इससे हमें समय पर, सटीक डेटा मिलेगा, जो हमारे टीकाकरण कार्यक्रमों की योजना और निगरानी की बेहतर योजना तैयार कर निगरानी की जा सकेगी, साथ ही टीकाकरण कवरेज में सुधार के लिए त्वरित कार्यवाही की जा सकेगी इसके अतिरिक्त, इस प्लेटफॉर्म का एक प्रमुख लाभ यह है कि हमारे नागरिकों को अपनी लैब रिपोर्ट ऑनलाइन आसानी से मिल जाएगी, ठीक वैसे ही जैसे उन्हें COVID रिपोर्ट मिली थी। इस पहल को सफल बनाने के लिए सभी स्वास्थ्य अधिकारियों और स्टाफ की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0एन0डी0शर्मा ने कहा कि एनएचएम के शुरू होने के बाद टीकाकरण के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाए। नियमित टीकाकरण के अलावा, हर साल सभी बच्चों तक पहुंच बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष टीकाकरण अभियान चलाते हैं। पिछले दो-तीन वर्षों में, हमने डिप्थीरिया के मामलों में उम्र के हिसाब से बदलाव देखे हैं, बड़े बच्चों में इसके मामले ज्यादा देखे जा रहे हैं, इसी कारण से हम इस वर्ष भी एक विशेष स्कूल आधारित टीकाकरण अभियान चला रहे हैं। यूडीएसपी पर वीपीडी निगरानी लाने से इन रोगों के बारे में हमारी समझ और बेहतर होगी और भविष्य की कार्य योजना बनाने में मदद मिलेगी। इस बारे में विस्तार से बताते हुए जिला प्रतिरक्षण अधिकारी (DIO) डॉ. देवेन्द्र कुमार भिठौरिया ने कहा, इस साल 24 अप्रैल से शुरू हुए विश्व टीकाकरण सप्ताह के तहत हम पूरे जनपद में स्कूल-आधारित टीडी टीकाकरण अभियान चला रहे हैं। सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में कक्षा 5 और कक्षा 10 के छात्रों को उनके स्कूलों में मुफ्त टीडी टीके लगाए जा रहे हैं। इन प्रयासों के माध्यम से, यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी बच्चा टीकाकरण के अभाव में सुरक्षित भविष्य से वंचित न रहे। जिला सर्विलान्स अधिकारी डा0 बोरेंद्र सिंह ने कहा कि हम विश्व टीकाकरण सप्ताह के दौरान खसरा-रूबेला (एमआर) उन्मूलन के लिए एक विशेष अभियान भी चला रहे हैं। 16 मार्च से 15 अप्रैल 2025 तक हुए सर्वे में जनपद के सभी 09 ब्लॉकों एवं अर्बन क्षेत्रों में 19218 बच्चों की पहचान की गई, जिन्होंने एमआर-1 एवं एमआर-2 वैक्सीन की अपनी निर्धारित खुराक नहीं ली है। हम यह प्रयास कर रहे हैं कि विश्व टीकाकरण सप्ताह के दौरान चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान इन बच्चों का शतप्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। हम दिसंबर 2026 तक खसरा और रूबेला को खत्म करने के भारत सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत इन बच्चों को तुरंत टीका लगाने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश में मई 2023 में यूडीएसपी लॉन्च किया, जो देश का पहला राज्य है जिसमें 12 अधिसूचित बीमारियों की निगरानी के लिए अपना डिजिटल निगरानी प्लेटफार्म है। इसने हमें डेंगू जैसी बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई करने और निगरानी करने में मदद की है। इसे ABDM-अनुरूप पोर्टल को राष्ट्रीय पोर्टलों के साथ सफलतापूर्वक इंटीग्रेट किया है, जिससे केंद्र सरकार के साथ निर्बाध रूप से डेटा साझा करना संभव हो गया है। वीपीडी निगरानी के इंटीग्रेसन के साथ, हमारे पास इन अतिरिक्त छह बीमारियों के लिए रीयल टाइम डेटा होगा, जो हमें कार्यक्रम को और बेहतर बनाने में मदद करेगा। चूंकि टीकाकरण, रोकथाम योग्य बीमारियों के खिलाफ हमारी लड़ाई में महत्वपूर्ण प्रयास है, परंतु रोगों के पैटर्न की लगातार निगरानी करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इससे हमें टीकाकरण कवरेज में गैप की पहचान करने और रोग महामारी विज्ञान में मूल्यवान जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलती है। इस तरह के डेटा से सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी त्वरित कार्रवाई संभव होती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न हो। यूडीएसपी पर वीपीडी निगरानी का इंटीग्रेसन जनपद में रोग का पता लगाने, रिस्पांस टाइम में सुधार करने और पूरे जनपद में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जिला जज के कुशल मार्ग दर्शन में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई

क्यूँ न लिखूँ सच-आलोक नारायण

माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 10 मई 2025 को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव के कुशल मार्ग दर्शन में जिला पंचायत, प्रोबेशन, सूचना, एवं श्रम आदि विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। इसमें उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।बैठक में प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अर्पित सिंह ने उपस्थित सभी अधिकारियों से कहाकि मात्रीय उच्चतम न्यायालय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आगामी दिनांक 10.05.2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला दीवानी न्यायालय उर्ई एवं वाह्य स्थित न्यायालयों में किया जाना है। इसमें जिला पंचायत, प्रोबेशन, सूचना एवं श्रम से सम्बन्धित परिवाद/सिविल वाद आदि विभिन्न प्रकृति के अधिकाधिक मुकदमों/ मामलों को नियत किया जाना है। इस सम्बन्ध में सभी विभागों के परिणामोन्मुखी व सार्थक प्रयासों की आवश्यकता है। इस पर सभी अधिकारियों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी डा0 अमरेन्द्र पौत्स्यायन, सी0डी0पी0ओ0 इफ्तखार अहमद, जिला श्रम अधिकारी जगदीश वर्मा, जिला पंचायत विभाग के प्रतिनिधि आशीष कुमार एवं अपर सूचना अधिकारी पंकज तिवारी उपस्थित रहे।

शामली हैंडलूम की दुकान पर काम कर रहे बबलू जाटव ने पत्रकार राकेश गुप्ता से हाथा पाई करने की कोशिश की

क्यूँ न लिखूँ सच

शमली हैंडलूम की दुकान पर काम कर रहे बबलू जाटव आर्यपुरी में रहने वाला और साथ में ही काम कर रहे पत्रकार राकेश गुप्ता दोनों एक ही दुकान पर कार्यरत है जिसमें आज दोनों के बीच में किसी बात को लेकर गाली गलौज हुई और उसके बाद बबलू जाटव आर्यपुरी का रहने वाला है उसने पत्रकार राकेश गुप्ता पर हाथ उठाने का प्रयास किया और मारपीट की धमकी देता रहा लेकिन दुकान का मालिक चुप चाप यह नजारा देखता रहा वह धमकी कई बार दे चक्का है लेकिन दुकान दार कुछ नहीं कहता की दुकान पर दादागिरी नहीं चलेगी किसी की भी उसके रिश्तेदार पुलिस में होने के कारण वह उन्हें अपनी डाल बनाकर उनका नाम लेकर हमेशा दादागिरी दिखाता रहा कि मेरा कोई कुछ नहीं कर सकता मैं सबको देख लूंगा कभी कहता है कि मैंने उसे पिटा है मेरी गली सब हम से थर-थर कपटे है हमने लोगो घर मे जाकर पिटा है पहले हम सब को पीट दिया करते थे इस बात को लेकर बार-बार धमकियां दिया करता है

मजदूर की बेटी पढ़ लिखकर कामयाब होती है तो इतिहास बनाती है -रविन्द्र प्रधान जोगी

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

जलालाबाद –शामली। मेहबूब अंसारी चाय विक्रेता की 15 वर्षीय बेटी माहीन अंसारी ने हाई स्कूल कक्षा 10 में गुरु नानक कन्या इंटर कॉलेज में सर्वप्रथम 88.16व न. लाकर ब्लॉक थानाभवन में टॉप किया है,सपा के पिछड़ा वर्ग के प्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र प्रधान जोगी ने बिटिया के हाँसले अफजाई को लेकर समाजवादी पार्टी की ओर से बधाई सन्देश के रूप में उनके निजी आवास पर जाकर बधाई दी, ओर कहा की आज एक मई मजदूर दिवस पर मेहबूब अंसारी जो की स्वम एक मजदूर है, बिटिया की वजह से गर्व महसूस कर फुले नहीं समा रहें है,माहीन अंसारी ने सर्वप्रथम इस टॉप शिक्षा का श्रेय माता पिता के साथ साथ



दुराचार का आरोपी गिरफ्तार भेजा गया चालान

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम तेजपुर निवासनीय एक युवती 20 अप्रैल को घर पर अकेली थी।उसकी माता शादी समारोह में होलागढ़ गयी थी। आरोप है कि गांव का एक युवक घर में घुस कर युवती से दुराचार कर रहा था।वताते हैं कि मध्य रात्रि के समय युवती की माता आ गयी।शोर मचाने पर युवक महिला का मुंह दाब कर धमकी देते हुए फरार हो गया। आरोप है कि पीड़िता की तहरीर लेकर पुलिस कई दिनों तक जांच करती रही। आरोप है कि पीड़िता की माता रोज थाने आती रही आखिरकार पुलिस ने 28

अप्रैल को मोहम्मद कैफ उर्फ सोनू पुत्र मोहम्मद इदरीश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। गुरुवार को सब इंस्पेक्टर गिरीशचंद्र मौर्या,उदय प्रताप प्रजापति,हेड कांस्टेबल सुब्बा राजभर ने मोहम्मद कैफ उर्फ सोनू को तेजपुर पंचायत भवन के पास से गिरफ्तार कर चालान भेज दिया।

गल्ला मंडी के प्रतिष्ठान में ताला तोड़कर मटर की बोरी चुराने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच- नीरज कुमार

कालपी(जालौन) ।,बीती 22/23 अप्रैल कीरात को कृषि उत्पादन



को चोरी करने के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर लिया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक परमहंस तिवारी , एडीशनल इंस्पेक्टर मुहम्मद अशरफ वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजेश कुमार सिंह उपनिरीक्षक विशाल भड़ाना, राजेश कुमार, दयाशंकर, दीवान मुहम्मद मुईद , सुनील कुमार, आदि पुलिस जवानों ने कालपी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम इमिलिया खुर्द जाने वाले रास्ते मेंअवैध तमंचे तथा कारतूस समेत कानपुर देहात जिले के 5 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने घेराबंदी के दौरान चोरी के 28 बोरी मटर लंदे पिकप वाहन को भी पकड़ लिया। सप्ताह भर के अंदर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी पर जनता तथा व्यापारियों ने खुशी जताई है।

62वीं वाहिनी एस.एस.बी मुख्यालय भिनगा में यौन उत्पीड़न से संबंधित कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच - वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण कमांडेंट 62वीं वाहिनी एस.एस.बी भिनगा के दिशा निर्देशन एवं निरूपेश कुमार, उप कमांडेंट के नेतृत्व में डॉ. कल्पना महादेव पाटील, सहायक कमांडेंट (चिकित्साधिकारी) की उपस्थिति में वाहिनी मुख्यालय, भिनगा मे लैंगिक संवेदनशीलता और कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला का मुख्य विषय कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम करना है ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश पुलिस से उप-निरीक्षक पुष्पलता,आरक्षी पूजा तिवारी के द्वारा यौन उत्पीड़न से जुड़े कानूनी पहलुओं, इसकी रोकथाम के उपायों और शिकायत निवारण प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गयी, साथ ही कार्यशाला में यौन उत्पीड़न के मामलों की पहचान, रिपोर्टिंग और संबंधित व्यक्तियों की सहायता के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई ।इस अवसर पर सहायक उप निरीक्षक अनुप कुमार राय, अन्य महिला एवं पुरुष बलकर्म उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

टैक्टर व बाइक की भिड़ंत में एक की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जनपद के सोनवा थाना क्षेत्र में नासिरगंज बदला चौराहा मार्ग पर देर शाम को मोटरसाइकिल व टैक्टर ट्राली में भिड़ंत हो गई जिसके चलते मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। और अस्पताल में लेकर लोग जा ही रहे थे कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। 26 वर्षीय अजय वर्मा पुत्र स्व. हजारी लाल वर्मा थाना क्षेत्र हरदत्त नगर गिरंट के ग्राम पंचायत देवरनिया के मूल निवासी थे जो दो साल पहले सोनवाथाना क्षेत्र के हितई नगर गांव मूने वर्मा जो मृतक अजय वर्मा के ससुर हैं, उनके घर में रह रहे थे। वह देवरनिया गांव मोटरसाइकिल से टहलने आए थे और शाम को पुनः अपने ससुराल हितईनगर जा रहे थे कि नासिर गंज के तरफसे टैक्टर ट्राली आ रही थी और बदला चौराहा से अजय वर्मा जा रहे थे कि अचानक मोटरसाइकिल और टैक्टर ट्राली चंदन कोटिया गांव के सामने भिड़ंत हो गई टैक्टर ट्राली लेकर चालक तो फरार हो गया जबकि नासिर गंज पुलिस चौकी की पुलिस पहुंची और घटना स्थल का जायजा लिया जबकि इलाज के लिए भेजा मगर अजय की सांसें रास्ते में रूक गई। जबकि मृतक के दो छोटी लड़की और पत्नी हैं।

एस. एस. बी ने किया निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा के दिशा-निर्देशन में एवं डॉ. कल्पना महादेव पाटील , सहायक कमांडेंट (चिकित्साधिकारी) के नेतृत्व में ‘ई’ समवाय

ककरदरी के सीमावर्ती गांव ककरदरी में मानव चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया । इस शिविर का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र के दूरस्थ एवं जरूरतमंद ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा । शिविर में चिकित्सा टीम द्वारा 173 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा विभिन्न बीमारियों के लिए निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया डॉ. कल्पना महादेव पाटील ने ग्रामीणों को सामान्य रूप से फैलने वाली बीमारियों जैसे सर्दी-जुकाम, वायरल बुखार, डायरिया आदि से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी । इसके अतिरिक्त गर्मी के प्रचंड प्रकोप (हीट वेव) को देखते हुए लोगों को लू से बचने के उपायों पर विशेष बल दिया गया । ग्रामीणों को सलाह दी गई कि वे अत्यधिक धूप में बाहर निकलने से बचें, शरीर में पानी की कमी न होने दें, खाने के साथ कच्चे प्याज का सेवन, हल्के और ढीले कपड़े पहनें तथा दिन के अत्यंत गर्म समय में विशेष सतर्कता बरते । इस अवसर पर श्री के.एच. नाबाचन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी (मेडिक्स) काजल भौमिक, अन्य जवान व बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे । 62वीं वाहिनी एस.एस.बी सीमा की सुरक्षा के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के कल्याण एवं स्वास्थ्य के लिए सदैव तत्पर है ।

62वीं वाहिनी एस.एस.बी मुख्यालय भिनगा में यौन उत्पीड़न से संबंधित कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच - वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण कमांडेंट 62वीं वाहिनी एस.एस.बी भिनगा के दिशा निर्देशन एवं निरूपेश कुमार, उप कमांडेंट के नेतृत्व में डॉ. कल्पना महादेव पाटील, सहायक कमांडेंट (चिकित्साधिकारी) की उपस्थिति में वाहिनी मुख्यालय, भिनगा मे लैंगिक संवेदनशीलता और कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला का मुख्य विषय कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम करना है ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश पुलिस से उप-निरीक्षक पुष्पलता,आरक्षी पूजा तिवारी के द्वारा यौन उत्पीड़न से जुड़े कानूनी पहलुओं, इसकी रोकथाम के उपायों और शिकायत निवारण प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गयी, साथ ही कार्यशाला में यौन उत्पीड़न के मामलों की पहचान, रिपोर्टिंग और संबंधित व्यक्तियों की सहायता के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई ।इस अवसर पर सहायक उप निरीक्षक अनुप कुमार राय, अन्य महिला एवं पुरुष बलकर्म उपस्थित रहे ।

न नहीं सहेगा हिंदुस्तान

प्रेमचंद जायसवाल

डकर का अपमान किये जाने पर जिला मुख्यालय विरोध प्रदर्शन किया गया। जिलाध्यक्ष अनुसूचित



मोर्चा प्रवेश आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुए विरोध प्रदर्शन में सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्रा, जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ० मिश्रीलाल वर्मा सहित पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर दयाल पाण्डेय, संजय कैराती पटेल, जिले के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई द्वारा अखिलेश यादव के द्वारा बाबा साहब अम्बेडकर की फोटो को आधा काट उसमें अपनी फोटो लगे हुए होर्डिंग लगाए जाने पर विरोध प्रदर्शन किया। भिनगा मुख्यालय स्थित पटेल चौराहा से भिनगा नई बाजार के अशोक चौराहा तक पदाधिकारियों द्वारा नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च करते हुए चौराहे पर पुतला फूँका गया। इस दौरान सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्रा ने कहा कि अखिलेश यादव बाबा साहब की फोटो काटकर उसमें अपनी फोटो लगाकर शायद दलित समाज को यह बताना चाहता है कि अखिलेश बाबा साहब के बराबर है यह घोर निन्दनीय है। डॉ० भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा, समानता और संविधान के मूल्यों के लिए संघर्ष किया है और अखिलेश यादव ने सिर्फ बाबा साहब के नाम पर राजनीतिक सौदा किया है। जिलाध्यक्ष डॉ० मिश्रीलाल

पार्टी के, वे विचारधारा के थे। खुद को उनके समकक्ष प्रस्तुत करना सीधे तौर पर करोड़ों दलितों भीमराव अंबेडकर के नाम से बने संस्थानों से बाबा साहब का नाम हटा दिया था। कहा कि अखिलेश और अखिलेश यादव ने कुछ भी नहीं कहा। विरोध प्रदर्शन में दिवाकर शुक्ला, सरिता सिंह, अरुण, दिलीप सरोज, विनोद साहू आदि सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

Multani Mitti is the best to remove stickiness of hair in summer, use it in these 3 ways

Are you troubled by sticky and oily hair in summer? Multani Mitti (Multani Mitti For Oily Hair) is a great solution for you. It absorbs extra oil from the hair and makes them clean, soft and shiny. In this article, we will tell you three effective ways of Multani Mitti, by which you can get rid of sticky hair. Hair easily becomes sticky in summer Itching can start in the head due to oily scalp Multani Mitti is beneficial in keeping the scalp fresh Sticky and oily hair not only reduce your beauty, but it also causes dirt and dandruff to accumulate in the hair quickly. If you are also troubled by the problem of sticky hair, then Multani Mitti can be a natural and effective solution (Multani Mitti For Oily Hair) for you. Multani Mitti absorbs extra oil from the hair and makes them clean, soft and shiny. Let's know three effective ways of using Multani Mitti to get rid of sticky hair. Multani Mitti and Rose Water Hair Mask Ingredients 2 teaspoons Multani Mitti 3-4 teaspoons rose water 1 teaspoon lemon juice Method of preparation and application Take Multani Mitti in a bowl and make a thick paste by adding rose water to it. If the hair is too oily, then you can add lemon juice to it. Apply this paste on your scalp and hair. Let it dry for 20-25 minutes, then wash it with cold water. Benefits Rose water cools and refreshes the scalp. Multani Mitti cleans the hair by absorbing extra oil. Lemon juice balances the pH level of the scalp. Multani Mitti and Curd Conditioning Pack Ingredients 3 teaspoons Multani Mitti 4 teaspoons fresh curd 1 teaspoon honey Method of preparation and application Mix all the ingredients and prepare a smooth paste. Apply this paste from the roots to the ends of the hair. Wash off with a mild shampoo after 30 minutes. Benefits Curd gives natural conditioning to the hair. Honey moisturizes the hair and prevents dryness. Multani mitti cleans the impurities from the scalp. Multani mitti and aloe vera gel scalp treatment Ingredients 2 teaspoons Multani mitti 2 teaspoons aloe vera gel 1 teaspoon apple cider vinegar Method of preparation and application Mix multani mitti with aloe vera gel and apple cider vinegar and make a paste. Apply this paste thoroughly on the scalp. Wash it off after 15-20 minutes. Benefits Aloe vera gel hydrates the scalp and provides relief from itching. Apple cider vinegar cleanses the hair follicles. This paste is also beneficial for hair growth.



Gond Katira Mint Lemonade will give coolness and freshness to the body in summer, the recipe is very easy to make

Gond Katira Mint Lemonade is a treasure of coolness and freshness in summer. It is very easy to make and it also brings many benefits for health. It keeps the body cool, improves digestion and gives energy. Let's know how to make Gond Katira Mint Lemonade and what other benefits can be obtained from it. Gond Katira and mint are very beneficial in summer, drinking their syrup cools the body, drinking this syrup also gives energy to the body, drinking cold and refreshing drinks in summer has its own fun. In such a situation, Gond Katira Mint Lemonade is a great option, which is not only tasty, but also brings many benefits for health. Gond Katira is very beneficial for summer. It cools the body, which is very important for summer. Gond Katira Mint Lemonade is very easy to make. Let's know its recipe and its health benefits. Gond Katira Mint Lemonade Recipe Ingredients 2 tsp Gond Katira 10-12 mint leaves 1 tsp black salt 2 tsp jaggery (or to taste) Juice of 1 lemon 1/4 tsp black pepper powder 1 cup ice 2 glasses of water Method Soak Gond Katira in cold water for 1 hour. It will swell and become jelly-like. Wash the mint leaves and grind them finely or make a paste with some water in a mixer. Add jaggery, black salt, lemon juice and black pepper powder in a large jug. Now add 2 glasses of water and mix well. Add mint paste and soaked Gond Katira to it. Now add ice cubes and serve. Your cool and fresh Gond Katira Mint Lemonade is ready! You can drink it on an empty stomach in the morning or at any time during the day. Benefits of Gond Katira Mint Lemonade Cools the body - Gond Katira and mint both cool down the body heat, reducing the risk of heat stroke. Strengthens the digestive system - Black salt and mint activate digestive enzymes, while Gond Katira reduces stomach irritation and acidity. Energy booster - Jaggery is rich in iron and minerals, which gives instant energy to the body and removes fatigue. Helpful in controlling weight - Gond Katira contains high fiber, which controls hunger and increases metabolism. Increases immunity - Lemon and black pepper contain vitamin C and antioxidants, which strengthen the ability to fight diseases. Beneficial for the skin - Gond Katira keeps the skin hydrated and helps in reducing pimples and wrinkles.

If you want to keep your relationship a secret, then don't do these 5 things even by mistake; otherwise the news will reach your family

Whatever the reason, if you want to keep your relationship secret, then do not do these 5 things even by mistake; otherwise the news will reach your family members. Whatever the reason, but if you want to keep your relationship even a small mistake can spoil your whole members. So let's know those 5 things which you should not do even by mistake. secret. Due to some mistakes, the relationship care of important things, you can save the beautiful feeling, but sometimes the our relationship hidden from everyone's eyes to complete studies, make a career or due to the reason, handling a secret relationship is your secret and then it is very difficult to be a situation, if you also want to keep your mistakes (Things To Avoid In A Secret Nowadays, it has become a trend to share if your relationship is secret, then putting story, Facebook post or WhatsApp status can get suspicious with a little activity and closeness in public places If you are often seen crowded places, then someone known to you hide the matter. Especially in small towns What to do: If you have to meet, then choose bumping into people you know. Always be important, but it is not wise to share every friend may mention your relationship in a joking manner or unknowingly and the news may reach your family members. What to do: Tell very limited people about your relationship, that too only when you have complete trust. Carelessness in mobile chats and calls Mobile can become the biggest proof today. If there is a pile of romantic messages, photos or calls in your chats, call history or gallery, then anyone can catch the truth while checking the mobile. Many times family members check the phone even without telling. What to do: It is important to delete the messages after chatting, save the photos in a safe place and keep the phone locked. Sudden change in behavior if you have suddenly become very happy, started smiling on the phone or started lying to the family members, then the parents may get suspicious. Especially in Indian families, parents very quickly understand from the gestures of the children that something is wrong. What to do: Behave naturally. Avoid lying too much or behaving strangely. Let us tell you, as exciting as it is to maintain a secret relationship, it is also very cautious. Maintain the right balance and take steps thoughtfully so that the sweetness of your relationship remains intact and your family members do not have any doubts.



Did Raj Kapoor beg Prem Chopra to get him married to his sister-in-law? He agreed by saying this

There was a time when people used to get scared on hearing Prem Chopra's name because he played the role of a dangerous villain in films very well. But in real life, he is a very calm and simple person. Very few people know that he has a special relationship with the Kapoor family. Raj Kapoor sent him the proposal of his sister-in-law and convinced him for marriage in a unique way. Raj Kapoor won everyone's heart by becoming a villain on the silver screen. Raj Kapoor brought a marriage proposal for Prem Chopra. He did this to convince him for marriage. If we talk about Bollywood's veteran actors, Prem Chopra's name comes on top. Prem Chopra, who made his mark as a dreaded villain in films, ruled Hindi cinema for decades. Even though he played the role of a villain on screen, but in real life he is a very gentle and simple person. Prem Chopra worked in many superhit films in his career and gave tough competition to lead actors as well. His relationship with Raj Kapoor, who is called the showman of Hindi cinema, was also very special. Both were not just industry colleagues but were also tied in a family relationship. Married two sisters from the same family- The relationship between Raj Kapoor and Prem Chopra was not limited to just friendship or cooperation. In fact, both married two sisters from the same family. Raj Kapoor married Krishna Malhotra in the year 1946, who was the daughter of a senior officer of the police department in Rewa, Madhya Pradesh. Prem Chopra married Krishna's younger sister Uma in 1969. In this way, both actors became 'Sadu Bhai'. It is said that Krishna Kapoor had sent a proposal to her husband Raj Kapoor for the pairing of Prem Chopra and Uma. Raj Kapoor talked to Prem and convinced him to marry Uma. This relationship became very special not only in terms of family but also emotionally. Prem Chopra's wonderful film journey- Prem Chopra shared the screen with Rajesh Khanna in about 19 films in his film career. He is remembered for films like Shaheed, Upkaar, Kati Patang, Do Raaste, Purab Aur Paschim, Kranti, Dostana, and Bewafa Se Wafa. Some time ago, he played an important role in Ranbir Kapoor's film Animal, which made his comeback highly appreciated by the audience.

'The whole hall will fill up...' Why did Neha Kakkar reach late for the Melbourne concert? The claims are exposed

Did Neha Kakkar lie about the Melbourne concert? A video of singer Neha Kakkar went viral last month. Now the organizers have exposed her claims. The singer was supposed to perform in Melbourne, Australia, but she reached her show 3 hours late. After this, she was criticized a lot. In the Melbourne concert controversy, the organizers alleged that the singer reached three hours late, people criticized her. A video of Neha Kakkar went viral recently in which she reached the Melbourne concert late. After this, the actress was seen crying. Neha apologized to the fans on stage because she reached three hours late. Neha Kakkar's claims were called false. The actress later released a message saying that the organizers had not made even the basic arrangements and she and her team had to sing despite all the difficulties. However, now Australian event planners Pace D and Bikram Singh Randhawa themselves have put forth their point on this matter, calling her claims false. The organisers themselves told the whole story. Talking to Siddharth Kannan, rapper and event host Pace D said, "Beat Production of Melbourne had invited Neha Kakkar. Now that both the parties have come forward and talked openly, why can't we? We were there and we saw everything. I spoke to Preet Pabla bhai, who was the organiser of the event. I asked him everything. He is a very nice and genuine person. That's when I came to know that she did not reach on time and was delayed many times. He told me that she kept saying, 'I will not go now; I will not do this.' Many people had bought expensive tickets. Supporting this claim, Bikram Singh Randhawa said, "The crowd was ready and hooting. They expected her to come on stage. But she came at 10 pm which was two and a half hours late from the scheduled time of 7:30 pm. So the crowd got upset and angry. People in Australia value their time. People chose this to spend time with their families. Some people even bought tickets for 300 Australian dollars which is around Rs 15,000 to 16,000 in India. "Pace D also revealed that the organisers were reportedly told that only 700 people have come right now? Unless more people come and this place is filled, I am not going to perform.

YRKKH fame Rohit Purohit is going to become a father after 6 years of marriage, wife gave good news to fans

There is an atmosphere of double happiness for Rohit Purohit, who won the hearts of people by becoming Armaan in the TV serial Yeh Rishta Kya Kehlata Hai. Firstly, his popularity has increased a lot after the serial. Secondly, the actor is going to become a father very soon in real life. He has given this good news to the fans along with his wife Sheena Bajaj. Sheena and Rohit are going to become parents. Will give good news after 6 years of marriage. Couple shared cute video. Actor Rohit Purohit, who appeared in the daily soap Yeh Rishta Kya Kehlata Hai, is going to become a father very soon. On April 30, through an Instagram post, the couple announced that his wife actress-wife Sheena Bajaj is pregnant. The couple made the announcement through an Instagram post. The couple shared a video on Instagram, in which both are seen in matching peach color outfits. Sheena was seen flaunting her baby bump in a floral gown, while Rohit held a placard that read, "We hope 2025 will be a great year." Fans and celebs congratulated. In the video, Rohit is also seen hugging Sheena and caressing her baby bump. As soon as Rohit and Sheena shared this happy news with fans, people started congratulating them. Actress Pankhuri Awasthi Rode wrote, "Congratulations guys! Lots of love to you both." Actress Anita Raj commented, "Congratulations to the beautiful couple. May Guruji always bless you all abundantly. So happy." The couple got married on January 22, 2019 in Jaipur after dating for 6 years. Now after 6 years of marriage, there is going to be a cry in their house. Discuss the story of the show with his wife. In November 2024, Rohit had revealed that Sheena had refused to watch the pregnancy track of Yeh Rishta Kya Kehlata Hai at that time. He also revealed in an interview that this track had affected him emotionally. Talking to Telly Masala, Rohit told that he usually discusses the upcoming story with his wife Sheena. However, this time when he went to talk to his wife about this, she refused to listen to it and said that she would not even watch the episode of the show. Sheena Bajaj is also an actress. Talking about Rohit's work front, he has worked in many shows. The role of Armaan Poddar in Yeh Rishta Kya Kehlata Hai gave him heights. Let us tell you that Sheena Bajaj is also an actress by profession. She did shows like Best of Luck Nikki, Jassi Jaisi Koi Nahin, Thapki Pyar Ki. She has also worked in movies.